आज़ादी का अमृत महोत्सव

सम्पादक

प्रभा शर्मा

संपादक मण्डल

डॉ. प्रज्ञा सिंह

डॉ. अनुपमा ओझा

डॉ. कुलदीप सिंह

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

अनामिका जायसवाल

arogya.path@mgug.ac.in

mguniversitygkp@mgug.ac.in

www.mgug.ac.in

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR

स्वस्ति पन्थामनुचरेम्

2021

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

• वर्ष – 2 • अंक – 05 • मई, 2023

मिशन निरामया : परिचर्चा एवं संवाद

दिनांकः 03 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में मिशन निरामया के तहत गोरखपुर के 6 चिन्हित मेंटी संस्थाओं को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल की शिक्षा के क्षेत्र में इंडियन नर्सिंग काउंसिल द्वारा दिए गए 6 अनुभागों पर विचार–विमर्श किया गया। परिचर्चा का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी के सम्बोधन से हुआ, तत्पश्चात् मिशन निरामया अभियान की सार्थकता एवं उपयोगिता पर नर्सिंग कॉलेज की सुश्री आराधना, सुश्री खुशबू, प्रिंसिपल डॉ डी.एस. अजीथा, मिसेज पी. आर. लिगो शिंसी, मिसेज प्रिंसी जॉर्ज आदि ने संवाद किया।

अंतरराष्ट्रीय मिडवाइफरी दिवस

अंतर्राष्ट्रीय मिडवाइफरी दिवस 05 मई, 2023 के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं जिला चिकित्सालय मे नर्सिंग के विद्यार्थियों द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा, उपप्राचार्या प्रिसी जॉर्ज एवं नर्सिंग कॉलेज की पुरातन विद्यार्थी अनु यादव, बबली यादव, अनुराधा मौर्य एवं रेनू सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया एवं उन्होंने अपने सम्बोधन में विद्यार्थियों को नेचुरल ब्रीथिंग, इंपोटेंस ऑफ नेचुरल ब्रीथिंग मेथड्स, मिडवाइफरी स्किल्स तथा होम डिलीवरी के बारे मे बताया। कार्यक्रम में उपस्थित पुरातन विद्यार्थी अनु यादव, बबली यादव, अनुराधा मौर्य और रेनू सिंह ने अपने मिडवाइफरी होने का अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा आयोजित नुक्कड़ नाटक रहा। जिसका मुख्य केन्द्र 'नर्सिंग कॉलेज में अध्ययनरत एएनएम की 54 छात्राओं के द्वारा डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल मे रोल प्ले और मास हेल्थ एजुकेशन से नेचुरल बर्थिंग और एंटीनेटल विजिट आदि की जागरूकता रहा। जिसका आयोजन जिला चिकित्सालय में किया गया। जिसका संयोजन सुश्री सलोनी

सम्बद्ध स्वास्थ्य संकाय : बैठक

दिनांकः 06 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में विभागीय बैठक आयोजित की गई जिसमें आगामी पाठ्यक्रम में सुधार एवं लैब के संचालन में आवश्यक सामग्री की सूची तैयार करना एवं भविष्य में जनमानस के कल्याणानार्थ विद्यार्थियों को प्रेरित करने हेतु विविध आयामों पर चर्चा की गई। इस बैठक में सहायक आचार्या डॉ. अनुपमा ओझा, सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार दुबे, सहायक आचार्य डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, श्री धनंजय पाण्डेय, श्री अनिल मिश्रा, सुश्री प्रभा, सुश्री प्रियांशी, सुश्री अपूर्वा आनंद सिंह, सुश्री सृष्टि यदुवंशी एवं सुश्री सौम्या आदि उपस्थित रहें।

पोस्टर प्रतियोगिता

दिनांकः 09 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर **'हमारी नर्स हमारा भविष्य'** विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

नुक्कड़ प्रतियोगिता

दिनांकः 10 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर **'हमारी नर्स हमारा भविष्य'** विषय पर नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

रंगोली, मेंहदी प्रतियोगिता

दिनांकः 11 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर **'हमारी नर्स हमारा भविष्य'** विषय पर रंगोली, मेहंदी और स्पीच प्रतियोगिता किया गया जिसमे गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

दिनांकः 11 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में देश के यशश्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान के फलस्वरूप अधिष्ठाता प्रो. (डॉ) सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया।

माननीय प्रधानमंत्री के उद्बोधन को सभी छात्रों ने ध्यानपूर्वक सुना एवं उसको मनन करने का निश्चय किया। माननीय प्रधानमंत्री जी ने अटल टिंकरिग लैब, अटल इनोवेशन सेंटर एवं अटल इनक्यूबेशन सेंटर के संचालन व महत्ता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने गर्व से इस बात को साझा किया आज भारत का वैश्वीकरण एवं प्रौद्योगिकी में विश्व में 81वीं स्थान से 40वीं स्थान एवं स्टार्टअप में तीसरे स्थान पर आना भारतीयों के सामर्थ्य एवं बुद्धिमता को प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री जी ने देश को 2047 तक आत्मनिर्भर बनाने में एवं देश को सतत् रूप से विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने विभिन्न ऑनलाइन डिजिटल ऐप जैस 'ऑनलाइन बर्थ सर्टिफिकेटए, ई–पाठशाला, दीक्षा, ई–संजीवनी, एम पासपोर्ट एवं डीजी लॉकर के

बढ़ते उपयोग को भारत के विकास से जोड़ा। छात्रों ने माननीय प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए परमाणु परीक्षण, वैश्वीकरण की नई ऊंचाई, रेडियोलॉजी, एन्यूक्लियर टेक्नोलॉजी में नवीनीकरण को प्रोत्साहन, छात्रों को उनके विचारों को क्रियान्यवन करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को सुना एवं छात्रों ने संकल्प लिया की भारत के प्रगति में अपनी भूमिका को सुदृढ़ करेंगे।

स्टूडेंस नर्सेस एसोसिएशन चुनाव

दिनांकः 12 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत एएनएम प्रथम वर्ष के छात्रों मे स्टूडेंट नर्सेस एसोसिएशन के लिए प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसीडेंट, सेक्रेटरी का चुनाव सम्पन्न किया गया। इस चुनाव में एएनएम के 370 विद्यार्थियों ने वोट दिए। यह कार्यक्रम प्रधानाचार्या डॉक्टर डी. एस. अजीथा और उप प्रधानाचार्या प्रिंसिपल मिसेज प्रिंसी जॉर्ज के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

नर्सिंग कॉलेज

पारितोषित वितरण समारोह

दिनांक: 12 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में ‘अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस’ के अवसर पर ‘हमारी नर्स हमारा भविष्य’ विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी व विशिष्ट अतिथि के रूप में एक्स डायरेक्टर ब्रिगेडियर डॉक्टर के.पी.बी. सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम में नर्सेस वीक में आयोजित हुए कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता की प्रथम विजेता के रूप में स्वेता बीएससी नर्सिंग फोर्थ सेमेस्टर, द्वितीय विजेता मनलजीषा बीएससी नर्सिंग फोर्थ सेमेस्टर और तृतीय विजेता शिवांगी मौर्य बीएससी नर्सिंग थर्ड ईयर। नाटक प्रतियोगिता में प्रथम विजेता ग्रुप वन पोस्ट बीएस नर्सिंग सेकंड ईयर, निधि राय, मंशी पाण्डेय, प्रिया सिंह, सिस्टर एलेन लाकर, सुमन यादव, सिस्टर प्रभिति मंडी, संतवाना द्विवेदी, अर्चना चौहान, द्वितीय विजेता ग्रुप टू बीएससी फोर्थ सेमेस्टर, आकृति सिंह, शेफाली गौतम, आकांक्षा, शिवांगी मिश्र, संजना, कंचनलता, मुस्कान, निधि, कविता और संस्कृति, तृतीय विजेता जीएनएम प्रथम वर्ष ग्रुप थ्री, प्रगति, शिक्षा, संजू कुमारी शालू, मनीषा यादव, मधु, भारती, सलोनी, प्रिया कृतिका प्रियम्बदा। मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम विजेता बीएससी फोर्थ ईयर निशा पासवान, द्वितीय विजेता जीएनएम फर्स्ट ईयर अंजली जय प्रकाश, श्रद्धा कुमारी बीएससी फोर्थ ईयर। रंगोली प्रतियोगिता की प्रथम विजेता पूजा शर्मा, प्रिया श्रीवास्तव, संजना शर्मा। इंग्लिश स्पीच प्रतियोगिता में प्रथम विजेता नीलिमा फोर्थ सेमेस्ट, द्वितीय विजेता निधि राय पोस्ट बीएससी नर्सिंग सेकंड ईयर और प्रिया बीएससी नर्सिंग फोर्थ सेमेस्टर और तृतीय विजेता के रूप में आराध्या मिश्र जीएनएम सेकंड ईयर। हिंदी स्पीच प्रतियोगिता की प्रथम विजेता प्रियंका बीएससी नर्सिंग थर्ड ईयर, द्वितीय विजेता शालू जीएनएम फर्स्ट ईयर, तृतीय विजेता बीएससी फर्स्ट ईयर।

इस कार्यक्रम का आयोजन नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीता व उप प्राचार्या मिसेज प्रिंसी जॉर्ज के अध्यक्षता मे सम्पन्न हुआ। इस दौरान नर्सिंग कॉलेज के समस्त विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहें।

आयुर्वेद कॉलेज

फ्रेशर पार्टी

दिनांकः 15 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, (आयुर्वेद कॉलेज) में बीएएमएस के सत्र नये बैच (2022–23) के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन उनके सिनियर बैच (2021–22) के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

उन्होंने अपने सम्बोधन में आज के दिन का महत्व बताया कि यह सीनियर एवं जूनियर के बीच एक अच्छा समन्वय बनाने का कार्य करता है। यह जीवन के एक नये पड़ाव की शुरूआत है, इसका अच्छे से आनन्द लें।

तत्पश्चात् आयुर्वेद कॉलेज के छात्र परिषद का उद्घाटन हुआ जिसके संरक्षक आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. जी है तथा सलाहकार समिति में डॉ. शान्तिभूषण, विभागाध्यक्ष संहिता एवं सिद्धांत विभाग तथा डॉ. प्रज्ञा सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, संहिता एवं सिद्धांत विभाग है। परिषद के अध्यक्ष आशीष चौधरी बीएएमएस प्रथम प्रोफेशनल 2021 बैच, अर्पिता चौधरी जनरल सिक्रेटरी प्रथम वर्ष, 2022–23 बैच, शिवम सिंह कल्चरल सिक्रेटरी 2021 बैच, विकास मौर्या स्पोर्ट सिक्रेटरी 2021 बैच, शुभांकर वत्स राष्ट्रीय सेवा योजना, लीडर 2021 बैच, ईश्वरचन्द्र गुप्ता सी.आर छात्र वर्ग 2021 बैच, आशमा सी.आर छात्रा वर्ग 2021 बैच, नवीन सी. आर छात्र वर्ग 2022 बैच, शीतल सी.आर छात्रा वर्ग 2022 बैच बनाया गया।

इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन हुआ जिसमें 2022 बैच के छात्र–छात्राओं द्वारा बहुत ही सुन्दर प्रस्तुति की गयी, जो सभी को मत्रमुग्ध कर गयी। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में मिस्टर और मिस फ्रेशर का चयन के लिए विभिन्न प्रकार के खेल व प्रतियोगिता करायी गयी। जिसके निर्णायक मण्डल में बीएएमएस के अध्यापक थे, जिन्होंने बहुत विचार विमर्श के बाद मिस्टर फ्रेशर सिद्धान्त तथा मिस फ्रेशर अर्पिता चौधरी को चुना। सबसे अच्छे नृत्य, गीत गायन, सबसे अच्छा प्रदर्शन इत्यादि के लिए विद्यार्थियों को बहुत सारे पुरस्कार दिये गये। आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. जी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को एक सुन्दर भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामना दी।

कार्यक्रम का संचालन शाम्भवी शुक्ला, शौर्य सिंह, शुभांकर और रिचा ने किया, आभार ज्ञापन छात्र परिषद के अध्यक्ष आशीष चौधरी ने किया।

कृषि प्रणाली : अतिथि व्याख्यान

दिनांकः 20 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय में एकीकृत कृषि प्रणाली विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. सच्चिदानन्द सिंह, सहायक आचार्य, तीर्थांकर महावीर विश्वविद्यालय ने एकीकृत कृषि प्रणाली विषय पर व्याख्यान देते हुए एकीकृत प्रणाली के महत्व को अंकित किया। अतिथियों ने विभिन्न एकीकृत कृषि प्रणाली की जानकारी देते हुए सतत खेती के महत्त्व को वर्तमान परिवेश में जरूरी बताया। किसानों की पूरे वर्ष भर आय प्राप्त करने के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली को अपनाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन बी.एस.सी कृषि की छात्रा अदिति सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. विमल कुमार दूबे, अधिष्ठाता कृषि विज्ञान संकाय, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विकास कुमार यादव, डॉ हरीकृष्ण, डॉ आयुष कुमार पाठक सहित सभी प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

विभागीय बैठक : सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान

दिनांकः 20 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में विभागीय बैठक आयोजित की गई जिसमें एंड टर्म सेमेस्टर परीक्षा प्रश्न पत्र बनाने, अध्यापक द्वारा पाठ्यक्रम की स्थिति बताने एइंटरनल टेस्ट, ईआरपी भरने में इंटरनेट की असुविधा, एनएसएस संबंधी कार्यक्रमों की संयोजना, आगामी प्रवेश परीक्षाएं, साप्ताहिक स्वास्थ्य सर्वे संबंधित विषय पर चर्चा की गई। इस बैठक में विभाग की सहायक आचार्या डॉ. अनुपमा ओझा, सहायक आचार्य पवन कुमार कनौजिया, सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार दुबे, सहायक आचार्य डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, श्री अनिल मिश्र, सुश्री प्रियांशी, सुश्री प्रभा शर्मा, सुश्री अपूर्वा आनंद सिंह, सुश्री सृष्टि यदुवंशी, सुश्री सौम्या एवं सुश्री मिताली उपस्थित रहीं ।

आरोग्य ग्राम अभियान

दिनांकः 20 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के द्वारा आरोग्य ग्राम अभियान के अन्तर्गत गोद लिए गये ग्राम बालापार, सोनबरसा एवं बैजनाथपुर मे गुरू गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, (आयुर्वेद कॉलेज) नर्सिंग कॉलेज एवं सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान द्वारा प्रत्येक शनिवार को चिकित्सको एवं विद्यार्थियों की टीम द्वारा ग्रामवासीयों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है तथा उनको एक हेल्थ कार्ड दिया जाता है। जिसके अन्तर्गत शनिवार दिनांक 20.05.2023 को बैजनाथपुर ग्राम में भ्रमण कार्य किया गया।

भ्रमण के दौरान चिकित्सकों की टीम द्वारा गाँव में उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण में चिकित्सकों द्वारा ग्रामवासीयों को खान–पान, पेय जल इत्यादि सेवन के बारे में बताया।

चिकित्सकों ने रसोई में उपलब्ध मसालों को औषधि के रूप में कैसे सेवन करें तथा अपने शरीर को कैसे स्वस्थ रखें इसकी भी जानकारी दी। उन्हे चिकित्सालय में आ कर योग एवं व्यायाम का प्रशिक्षण लेने का सलाह दिया गया। साथ ही साथ थाइराईड, जोड़ों का दर्द को घरेलु उपचार, सूक्ष्म व्यायाम एवं योग द्वारा अपने शरीर को स्वस्थ रखने की सलाह भी दी। नित्य योग एवं व्यायाम करने हेतु सभी ग्रामवासीयों को प्रेरित किया गया। ग्राम भ्रमण के दौरान आयुर्वेद कॉलेज के सम्बन्धित शिक्षक एवं समस्त विद्यार्थियों ने सहभाग किया।

स्वच्छता अभियान

दिनांकः 20 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में सफाई एवं स्वच्छता का कार्य किया गया। जिसमे इकाई के समस्त छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरी कृष्ण के निर्देशन मे किया गया ।

आतंकवाद निरोधक दिवस

दिनांकः 21 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज में आजादी अमृत के महोत्सव श्रृंखला के अन्तर्गत मई माह में निर्धारित कार्यक्रम श्रृंखला में आज **'आतंकवाद निरोधक दिवस'** महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में मनाया गया। बीएएमएस के छात्र अजीत कुमार सिंह व अमन गुप्ता ने स्वलिखित कविता से आतंकवाद उन्मुलन पर अपने विचार प्रस्तुत किये। संचालन करते हुए आचार्य साध्वी नन्दन जी ने गीता का श्लोक का उच्चारण देते हुए आतंकवाद रूपी वैश्विक रोग पर विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजुनाथ एन. एस. ने कहा कि हमें मनसा, वाचा, कर्मणा अपने व्यवहार में शुद्धता लाना चाहिए। जिससे हमारे जीवन में और हमारे समाज में अच्छे संस्कार को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम का संयोजन डॉ जशोबन्त डनसना के नेतृत्व में किया गया।

जैव विविधता दिवस : प्रतियोगिता

दिनांकः 22 मई, 2023 को आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के अन्तर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई द्वारा **'जैव विविधता दिवस'** का आयोजन किया गया जिसमे **'जैव विविधता एवं संकटग्रस्त प्रजातियां'** के विषय पर निबंध लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता करायी गयी। जिसमे कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय तथा स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के कुल 85 छात्रो ने प्रतिभाग किया। भाषण प्रतियोगिता में शिवम् पाण्डेय (बायोटेक्नोलॉजी) प्रथम स्थान, अदिति सिंह (कृषि विज्ञान) द्वितीय स्थान एवं अदिति सिंह (बायोटेक्नोलॉजी) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, डॉ. कुलदीप सिंह, सुश्री प्रियांशी, सुश्री सृष्टि यदुवंशी एवं समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का आयोजन इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरी कृष्ण के निर्देशन में किया गया।

वार्षिक निरीक्षण

भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग

दिनांकः **22, 23 मई, 2023** को भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) के प्रतिनिधि मण्डल द्वारा गठित दो सदस्यीय टीम डॉ. जयकृष्णनन जी, एसोसिएट प्रोफेसर, रस शास्त्र, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, कोटार नागरकोईल, तमिलनाडू एवं डॉ. राजेन्द्र सिंह दौड़ीया, एसोसिएट प्रोफेंसर, रोगनिदान, स्टेट मॉडल इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद साइंसेस, कोलावाड़ा, गांधीनगर का आगमन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के निरीक्षण हेतु हुआ।

टीम ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय में स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय के कायचिकित्सा, शल्य, शालाक्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बालरोग, स्वस्थव्रत एवं पंचकर्म विभाग के परामर्श चिकित्सकों से मिलकर सम्बन्धित रोगियों, चिकित्सकों द्वारा किए जा रहे उपचारों, सभी अभिलेखों एवं चिकित्सालय के ऑपरेशन थियेटर, डिलीवरी रूम, पैथोलॉजी, फॉर्मेसी आदि का भी निरीक्षण किया। इसके पश्चात् निरीक्षण टीम ने पंचकर्मा केन्द्र पहुंची जहां पंचकर्म के समस्त कक्ष जैसे–स्नेहन, स्वेदन, वमन, विवेचन, वस्ति आदि की गहन जांच कर आयुर्वेद कॉलेज के रचना शारीर विभाग पहुंची जहां विभागाध्यक्ष डॉ. मिनी के.वी. ने विभाग के शवविच्छेदन कक्ष, टिटोरियल रूम, म्यूजियम, समस्त अभिलेखों का निरीक्षण कराया। इसके पश्चात् टीम ने कॉलेज के संहिता सिद्धान्त, रसशास्त्र, क्रिया शारीर, रोगनिदान, द्रव्यगुण, अगदतंत्र, स्वस्थव्रत, क्लासरूम का निरीक्षण आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. नेतृत्व में किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

कार्यशाला : कार्यान्यन एवं योजना

दिनांकः **23 मई, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा कार्यान्वन एवं योजना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें मुख्य विशेषज्ञ के रूप में प्रो. डी.पी. सिंह, पूर्व अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली, डॉ. जी. एन. सिंह, पूर्व औषधि महानियंत्रक, भारत, प्रो. राजेश सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, प्रो. (डॉ.) ए.के. सिंह, कुलपति, महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर रहें। कार्यशाला के प्रथम सत्र का शुभारंभ सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो.. सुनील कुमार सिंह ने समन्वयक नैक/आईक्यूएसी द्वारा पिछली कार्यशाला 15–16, अक्टूबर, 2022 से अब तक की प्रगति और की गई कार्यवाहियों पर प्रस्तुतिकरण से किया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित प्रो. डी.पी. सिंह जी ने कहा कि विश्वविद्यालय को शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (NETF) के बेवसाइट को निरंतर देखते रहना और उनके गाइडलाइन का अनुसरण करते रहना चाहिए तथा नेशनल काउंसिल फॉर वोकेसनल ट्रेनिंग (NCVT) की वेबसाइट का निरंतर विजिट करना, गाइड लाइन का अनुसरण करना और अपना व्यवसायिक पाठ्यक्रम तैयार कर इसे मंजूर कराने को कहा। उन्होंने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय को यूजीसी की 12बी के लिए आवेदन करना चाहिए।

इसी क्रम में उन्होने सभी शिक्षकों को कम से कम दो शोध पत्र प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित किया और आंतरिक प्रशिक्षण एवं अंकेक्षण को सुचारू रूप से संचालित करने को कहा।

कार्यशाला के अगले सत्र में डॉ. जी.एन. सिंह जी ने बताया कि जितने भी औषधियॉं एवं आयुर्वेदिक पौधें हैं उनका दस्तावेज रूप में संग्रहण होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी कार्यों की Standard Operating Procedure (SOP) मानक संचालन प्रक्रिया की तैयारी करनी चाहिए। आगे कहा कि सभी शिक्षक को पुस्तकालय में जाना चाहिए और पुस्तकालय 24 घंटे तक विद्यार्थियों के हित के लिए खुले रहने चाहिए। उन्होने सभी शिक्षकों को कक्ष में जाने से पूर्व अपनी तैयारी करने को कहा और विश्वविद्यालय के मजबूत और कमजोर पहलुओं को सुक्ष्मता से विश्लेषित करने को कहा। उन्होंने ने शिक्षकों का बताया कि कैसे विश्वविद्यालय को वैश्विक रूप में प्रस्तुत करें तथा आतंरिक संगोष्ठी और कार्यशाला को बढ़ावा देने के बात कही। उन्होंने आयुर्वेद कॉलेज को Indian Pharma Company Poeia Commission (Indian Pharma Campany Poeia Laboratory) से MOU अनुबंध करने का सुझाव दिया। आगे कहा कि पंचकर्मा को ग्लोबल स्टैंडर्ड स्टेशन ऑफ पंचकर्मा बनाने पर जोर देना चाहिए।

कार्यशाला के अगले सत्र में प्रो. राजेश सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रैक्टिकल एक केडिट को दो घंटे तथा थियरी का एक केडिट 1 घंटे किया जाए और पाठ्यक्रम इस प्रकार व्यवस्थित किया जाए कि 1 साल में 40 केडिट हों, उन्होंने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक शनिवार को चलाए जा रहें आरोग्य ग्राम अभियान की सराहना की और कहा कि इस अभियान का मुल्यांकन किया जाना चाहिए। जो कि अवार्ड, कोर्स केडिट, कोर्स नम्बर, कोर्स टाइटल के रूप में किया जा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी संकाय से अनुरोध किया कि वह इस अभियान में कुछ सुविधाओं का योगदान करें।

कार्यशाला के अन्तिम सत्र में प्रो. (डॉ.) ए.के सिंह जी ने आरोग्य ग्राम अभियान की प्रशंसा करते हुए उससे संबंधित एक सुझाव दिया कि इस अभियान में ग्रामीणों के खून की जांच की जाए तथा उनका ब्लडग्रुप बताया जाए तथा इसको दस्तावेज रूप में संरक्षित रखा जाए ताकि भविष्य में यह जरूरत पड़ने पर उपयोग में लाया जा सके। उन्होंने पंचकर्म प्रक्रिया एवं उसके सिद्धान्त के प्रचार–प्रसार पर बल दिया।

कार्यशाला में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस., कृषि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, सहआचार्या श्रीमति प्रिंसी जॉर्ज, सहआचार्य सुमित कुमार एम., सहआचार्य डॉ. विनम्र शर्मा, सहायक आचार्या डॉ. अनुपमा ओझा, सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार दूबे, पैरामेडिकल प्रभारीसुश्री सुप्रिया गुप्ता आदि उपस्थित रहें।

चैटजीपीटी, एआई : व्याख्यान

दिनांकः **24 मई, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में पीएचडी बॉयोटेक्नोलॉजी की शोध छात्राओं द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसमे शोध छात्रा पूजा यादव ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं अंजली राय ने चैटजीपीटी विषय पर प्रस्तुतीकरण दी। इस प्रस्तुतिकरण में विद्यार्थियों ने विषय संबंधित अनेक प्रश्न पूछे एवं शोध छात्राओं द्वारा उसका निवारण किया गया। इस अवसर सब विभाग के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहें

वृद्धाश्रम : जागरूकता अभियान

दिनांकः **24 मई, 2023** को महायोगी गोरखनाथ के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत बीएससी चतुर्थ वर्ष की 60 छात्राएं तथा पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की 09 छात्राओं द्वारा फातिमा अस्पताल श्री रामनगर चौराहा, वृद्धाश्रम में विजीट किया और उन्होंने वृद्धावस्था में होने वाले शारीरिक परिवर्तन, बीमारियों तथा इसके रोकथाम से अवगत कराया तथा उत्साहवर्धन के लिए फल वितरण भी किया।

विश्व थॉयराइड दिवस : प्रतियोगिता

दिनांकः **25 मई, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी उदयनाथ इकाई द्वारा 'विश्व थॉयराइड दिवस' का आयोजन किया गया जिसमे 'मानव स्वास्थ्य और थायराइड का महत्व' विषय के ऊपर पोस्टर प्रतियोगिता करायी गयी। जिसमे गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के कुल 60 छात्रो ने प्रतिभाग किया। पोस्टर प्रतियोगिता में अंजू विश्वकर्मा (प्रयोगशाला तकनीशियन) प्रथम स्थान, शिवांगी पाठक (ऑप्थैल्मिक टेक्नीशियन) द्वितीय स्थान एवं बन्दना सिंह (डायलिसिस तकनीशियन) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री राज किशोर तिवारी, सुश्री सत्यभामा, सुश्री खुशबू की देखरेख में संपन्न कराया गया।

युवा उत्सव : कार्यक्रम

दिनांकः 25 मई, 2023 को खेल मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के अन्तर्गत बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में 'युवा उत्सव' **India**/2047 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के छात्रो ने आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर विश्वविद्यालय का सम्मान बढ़ाया। बीएएमएस प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने स्टॉल लगाकर भारतीय संस्कृति पर आधारित नृत्य, शिल्प कला, चित्रकारी आदि के साथ भारतीय प्राचीनतम आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को प्रदर्शित करते हुए स्वस्थ जीवन जीने के उपाय के बारे में सभी को जागरूक किया। विभिन्न प्रतियोगिता के अंतर्गत मोबाइल फोटोग्रॉफी में प्रथम स्थान नितेश प्रताप सिंह बीएएमएस 2021 बैच एवं तृतीय स्थान अर्पित कुमार सरोज बीएससी एग्रीकल्चर और पेन्टिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान छात्रा जान्हवी राय, बीएएमएस 2021 बैच ने प्राप्त किया।

स्वर्णप्राशन संस्कार

दिनांकः 25 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से संबद्ध गुरु गोरखनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान (आयुर्वेद कॉलेज) आरोग्यधाम गोरखपुर में गुरुवार को स्वर्णप्राशन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में 0 से 15 वर्ष तक के बच्चों को स्वर्णप्राशन ड्राप पिलाया गया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के चिकित्सालय के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज कुमार गुप्ता ने बताया कि स्वर्णप्राशन ड्रॉप बच्चों के लिए आयुर्वेद का एक अमूल्य वरदान है। इससे बच्चों के शारीरिक और बौद्धिक क्षमता व बोलने की प्रक्रिया में वृद्धि होती है। साथ ही मौसमी बीमारियों जैसे खांसी, दमा, एलर्जी और चर्म रोग आदि से बचाव हेतु प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। यह रिसर्च द्वारा भौतिक तथा रासायनिक रूप से सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि भारतीय संस्कृति और ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यह पुष्य नक्षत्र में ही योग्य एवं अनुभवी आयुर्वेदाचार्य द्वारा बनाया जाता है और इसी नक्षत्र में दिया जाता है। इससे बच्चों की यादाश्त क्षमता में रिकॉर्ड वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि एक तरह से स्वर्णप्राशन बच्चों के लिए वरदान है और हमारा प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को यह ड्रॉप पिलाया जाय।

प्रथम दिवस

तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांकः **26 मई, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'स्वास्थ्य सेवाओं की नई चुनौतियां एवं नर्सों की भूमिका' के शुभारंभ समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि इंडियन नर्सिंग काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. टी. दिलीप कुमार व विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार और भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जी.एन. सिंह ने मां सरस्वती और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि डॉ. टी. दिलीप कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में नित नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। वर्तमान परिवेश में करोना जैसी महामारी का दंश समूचे विश्व ने सहा है। कोरोना संकट काल मे भारत के उत्तम स्वास्थ सेवाओं और त्वरित वैक्सिन उपलब्धता को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सराहा। स्वास्थ सेवाओं में नर्सों की अति महत्वपूर्ण भूमिका है और भारत की नर्सों ने नई चुनौतियों को स्वीकार कर नई रोशनी दिखाई है।

आगे उन्होंने कहा कि देश सिस्टमैटिक तरीके से नर्सिंग सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। नर्सों की आवश्यकता के अनुरूप उनके पद, नेतृत्व, कौशल, ज्ञानार्जन आदि के क्षेत्र में निरंतर विस्तार व नवाचार हो रहा है। उन्होंने टास्क शिफ्टिंग प्रोग्राम की जानकारी साझा कर नर्सों को उससे जुड़ने का आह्वान किया। साथ ही वर्ल्ड हेल्थ असेंबली का उल्लेख कर उन्होंने आने वाले समय में नर्सों को नई चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए खुद को तैयार रखने का संकल्प दिलाया।

प्रथम दिवस

तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांकः 26 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'स्वास्थ्य सेवाओं की नई चुनौतियां एवं नर्सों की भूमिका' के शुभारंभ समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि डॉ. जी.एन. सिंह ने शोधार्थियों और नर्सों को संबोधित करते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित यह राष्ट्रीय संगोष्ठी आने वाले समय में चिकित्सा सेवा में संजीवनी का कार्य करेगी। इसमे नर्सों की भूमिका स्वास्थ सेवाओं के लिए आधार स्तंभ साबित होगी। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रशिक्षित डॉक्टर के समान ही प्रशिक्षित नर्सें अहम भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि आने वाला दशक हेल्थ केयर तथा शिक्षा का होगा। इस तीन दिवसीय संगोष्ठी में जिन मुख्य विषयों पर चर्चा होगी। वह स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक प्रमुख कदम होगा।

कोरोना काल की सेवाओं के लिए नर्सों के प्रति ऋणी रहेगा विश्वः डॉ. राजकिशोरः राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ पर बीज वक्तव्य देते हुए बीआरडी मेडिकल कॉलेज के सहआचार्य डॉ. राजकिशोर सिंह ने कहा कि भारत में नर्सों का कार्य चुनौती पूर्ण है। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अपने आप को अपडेट कर रोगियों की सेवा का संकल्प एक पुनीत कार्य है। नर्सों ने कोरोना महामारी में दौर में बेहतर कार्य किया जिसके लिए संपूर्ण विश्व उनकी सेवाओं के प्रति ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि हठयोग की माटी पर यह राष्ट्रीय संगोष्ठी मां भारती के प्रति सच्ची श्रद्धा और समर्पण के लक्ष्य को प्राप्त करेगी।

अचूक औषधि समान है नर्सों का संवेदनशील व्यवहार : डॉ. वाजपेयी : संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी जी ने कहा कि गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रथम राष्ट्रीय संगोष्ठी स्वास्थ के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए एक उत्तम मंच साबित होगी। यहां से शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थी देश–विदेश के स्वास्थ सेवाओं में अपनी अग्रणी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि नर्सिंग का कार्य शांतिपूर्ण स्वास्थ सेवाओं से है। विभिन्न रोगों के प्रति नर्सेस का कार्य मनसा, वाचा, कर्मणा के आधार सूत्र पर केंद्रित है। अस्वस्थ व्यक्ति के प्रति नर्सों का संवेदनशील व्यवहार अचूक औषधि का कार्य करती है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.के. सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने भी शोधार्थियों व नर्सों का मार्गदर्शन किया। गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा ने सभी अतिथियों और शोधार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में आरोग्य प्रभा और किलकारी पुस्तक का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।

प्रथम दिवस

तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांकः **26 मई, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'स्वास्थ्य सेवाओं की नई चुनौतियां एवं नर्सों की भूमिका' के शुभारंभ समारोह का आयोजन में संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र में चेयरपर्सन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान गोरखपुर की कार्यकारी निदेशक डॉ. सुरेखा किशोर, को–चेयरपर्सन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार डॉ. के.बी. राजू ने शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया। द्वितीय तकनीकी सत्र में चेयरपर्सन आयुर्विज्ञान संस्थान गोरखपुर के नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. रेणुका तथा को–चेयरपर्सन डॉ. अलका सक्सेना गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर तथा कोऑर्डिनेटर श्रीमती पी.आर.ली. गो. सिंसी सहायक आचार्य, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग गोरखपुर ने विषय विशेषज्ञ के रूप में शोधार्थियों के शोध पत्रों का विश्लेषण और समीक्षा किया। दूसरे तकनीकी सत्र में आयुर्विज्ञान संस्थान गोरखपुर में नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. रेणुका ने नर्सिंग सेवाओं के संदर्भ में नर्सों के कर्तव्य तथा स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति उनकी जागरूकता तथा नर्सिंग के इतिहास पर विस्तृत वक्तव्य प्रस्तुत किया। तकनीकी सत्रों में श्वेता अल्बर्ट ने शोधपत्र 'ए.वी. फिस्चुला' पर शांति कुमारी ने गरीबों में स्वास्थ्य जागरूकता विषय पर शोधपत्र प्रस्तुतीकरण दी। प्रगति सिंह ने 'ऑपरेशन के पश्चात् और ऑपरेशन के पूर्व नर्स की प्रभावशाली भूमिका विषय' शोधपत्र का वाचन किया।

उद्घाटन सत्र का संचालन श्रीमती आस्था यादव ने प्रथम सत्र का संचालन श्रीमती प्रिंसी जी उप प्राचार्य गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग व द्वितीय सत्र का संचालन श्रीमती पी. आर. लीगो सिसी असिस्टेंट प्रोफेसर गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग ने किया। संगोष्ठी में दर्जनों शोधार्थियों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया। पोस्टर प्रस्तुतिकरण प्रदर्शनी में नर्सिंग विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मॉडल और पोस्टर का अतिथियों ने अवलोकन और विश्लेषण किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उप प्रबंधक जी.के. मिश्रा, काउंसलर श्रीमती शीलम वाजपेयी, प्रभु एम, कुंवर अभिनव सिंह, राजकिशोर तिवारी, शुभम कुमार मौर्य, सोशन जी. अनामिका जायसवाल, डॉ. शिवम कुमार प्रजापति, खुशबू मोदनवाल, सलोनी, आराधना यादव, सत्यभामा, दीक्षा, उज्ज्वल त्रिपाठी, अक्षय, गुंजन सिंह, सोशन डैन, श्रुति कुशवाहा, डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा, डॉ. इच्छवाकु प्रताप सिंह, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, विनय कुमार सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ रमाकांत दुबे, डॉ अनूप पाण्डेय, श्रीकांत मणि त्रिपाठी, डॉ अभय प्रताप सिंह, डॉ संदीप, आदित्य प्रजापति, अमरेश चौधरी, संजीव आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

द्वितीय दिवस

तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांकः **27 मई, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'स्वास्थ्य सेवाओं की नई चुनौतियां एवं नर्सों की भूमिका' के शुभारंभ समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संवेदनशील नेतृत्व में विगत छह वर्षों में उत्तर प्रदेश के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व बदलाव आया है। 2017 तक प्रदेश में जितने मेडिकल कॉलेज थे, आज उनकी संख्या दोगुनी हो गई है। हर जिले को मेडिकल कॉलेज से आच्छादित किया जा रहा है। हर मेडिकल कॉलेज से संबद्ध नर्सिंग कॉलेज की भी स्थापना हो रही है।

उत्तर प्रदेश ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। संवेदनशील नेतृत्व और सकारात्मक स्वास्थ्य सेवाओं में प्रदेश उत्कृष्टता पर है।

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग उत्कृष्ट संस्थानों में से एक : प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहा कि ज्ञान के बेंचमार्क पर डिग्री के साथ–साथ कौशल की भी जरूरत है। इसी के दृष्टिगत भारत में मिशन निरामया की शुरुआत 2022 में की गई जो भारत में स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अग्रसर है। प्रमुख सचिव में कहा कि स्वास्थ्य की गुणवत्ता के क्षेत्र में पूरे उत्तर प्रदेश में 12 उत्कृष्ट संस्थानों में से एक संस्थान गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग भी है।

इस मंच के माध्यम से मिशन निरामया नर्सों को सही सम्मान दिलाने का अभियान तथा स्वास्थ सेवा में उत्कृष्ट योगदान सिद्ध होगा।

द्वितीय दिवस

तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांकः 27 मई, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन विशिष्ट व्याख्यान में आरकेटी हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड तमिलनाडु के निदेशक डॉ. इयान क्लिमेंट ने कहा कि मानवीय मूल्यों को अंगीकार किए बिना नर्सिंग सेवा में उत्कृष्टता सिर्फ कल्पना की बात होगी। एक नर्स सेवा क्षेत्र में तभी सफल हो सकती है जब उसमें अपने कार्य में दक्षता के साथ संवेदनशीलता और रोगी के मनोभाव को पढ़कर तदनुरूप सद्व्यवहार करने का कौशल हो। तकनीकी सत्रों से पूर्व 'स्वास्थ्य सेवाओं में मानवीय मूल्य और नर्स' विषय पर अपनी बात रखते हुए बतौर रिसोर्स पर्सन डॉ. क्लिमेंट ने कहा नर्सिंग, स्वास्थ सेवा तंत्र का समन्वित अंश है। यह पूरे स्वास्थ्य तंत्र को को प्रोत्साहित करते हुए बीमारियों का निराकरण करता है।

शारीरिक और मानसिक बीमार लोगों को आरोग्य प्रदान करने में नर्सिंग सेवा आधार स्तम्भ की भांति है। नर्सिंग सेवा रोगियों के बचाव, उपचार तथा उनकी पुनर्स्थापना का कार्य है। स्वास्थ्य

सेवाओं में विस्तार के साथ नर्सिंग के क्षेत्र में भी अपार संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं ।

डॉ. क्लिमेंट ने रोगी, नर्स, अस्पताल और स्वास्थ्य सुविधाओं के अंतर संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रोगी के लिए नर्सिंग सेवाएं खासी महत्वपूर्ण होती हैं। ऐसे में एक नर्स का दायित्व होता है कि वह रोगी की पृष्ठभूमि, उसकी शारीरिक व मानसिक अवस्था से परिचित हो और उसके बाद यह तय करे कि उसके निदान में क्या–क्या कदम उठाने हैं। रोगी व उसके परिजन नर्सों से दयालु स्वभाव, सहज व प्रभावी संचार जैसे गुणों की प्रत्याशा रखते हैं और श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए यह गुण अति आवश्यक भी हैं।

उन्होंने नर्सिंग सेवा की वर्तमान चुनौतियों पर भी चर्चा की और कहा कि सेवा कौशल, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों से इन चुनौतियों का रास्ता भी निलकता है। उन्होंने कहा कि एक नर्स को साहसी, ईमानदार, अनुशासित, जवाबदेह और मानवता के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध होना चाहिए। नर्स को रोगी के प्रति अपना व्यवहार वैसे ही रखना चाहिए जैसा आप स्वयं दूसरों से चाहते हैं।

संतुलन बनाए रखें, शांति और आराम रोगी को पहुंचाएं, स्वयं को समझें और सकारात्मक रहें एवं ,अपनी स्थिति तथा कौशलों को निरंतर बढ़ाते रहने का प्रयास करें। इस अवसर पर गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य डॉ. डीएस अजीथा ने डॉ. क्लिमेंट को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। संचालन कार्यक्रम समन्वयक एमएससी अंतिम वर्ष की छात्रा आस्था यादव ने किया ।

नर्सिंग का एरा होगा वर्तमान वर्ष : डॉ.राधा के. : तकनीकी सत्र (तृतीय) में चेयरपर्सन नर्सिंग कॉलेज सी.जी. पीजीआईएमएस लखनऊ, की प्राचार्य डॉ. राधा के. ने नर्सिंग की उत्पत्ति, विकास और वर्तमान स्थिति विषय पर विचार रखते हुए यह कहा कि डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान वर्ष नर्सिंग का एरा होगा। डॉ. राधा के ने नर्सेज को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि नए तकनीकी प्रशिक्षण के लिए रोल प्ले विधि, शिक्षा विधि, फिलप लर्निंग विधि, वर्चुअल लर्निंग विधि, कांसेप्ट मैपिंग विधि, ई लर्निंग विध जैसे नवाचारों का उपयोग निरंतर करते रहना चाहिए। उन्होंने गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग को उत्कृष्ट संस्थानों में से एक बताया। को चेयरपर्सन डॉ गणेश कुमार, प्राचार्य बीआरडी मेडिकल कॉलेज ने शोधार्थियों के शोध पत्रों का विश्लेषण करते हुए कहा नर्सिंग एक नोबेल प्रोफेशन है और नर्स स्वास्थ्य सेवाओं की बैकबोन हैं। इस तकनीकी सत्र में सुश्री आराधना यादव, सुश्री रोजी, सुश्री अर्चना यादव ने स्वास्थ्य एवं भविष्य की चुनौतियों विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किए ।

द्वितीय दिवस

तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांकः **27 मई, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन चतुर्थ एवं पांचवें सत्र में अध्यक्ष ब्रिगेडियर डॉ. डीएस ठाकुर, निदेशक गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखपुर ने आनलाइन माध्यम से तथा ऑनलाइन मोड में सह अध्यक्ष बिषा विश्वविद्यालय, किंगडम ऑफ सऊदी अरब के कॉलेज ऑफ अप्लाइड मेडिकल साइंसेज में नर्सिंग विभाग की डॉ. सुधा ए. रेड्डी, विशिष्ट अतिथि डॉ. कामेश्वर सिंह, एडिशनल डायरेक्टर, गुरु श्री गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय ने शोधार्थियों के शोध पत्रों का विश्लेषण कर मार्गदर्शन किया। किया।

सत्र का संचालन सह आचार्य डॉ. शिवम कुमार प्रजापति एवं नर्सिग आचार्या अनामिका जायसवाल ने किया।

वर्तमान में पंजीकृत नर्सों की बहुत जरूरत : डॉ सुधा रेड्डी : इस सत्र में को ऑनलाइन संबोधित करते हुए को चेयरपर्सन डॉ सुधा रेड्डी ने कहा कि वर्तमान समय में नर्सेज का बहुत अभाव है। सही ज्ञान कौशल और अनुभव के साथ पंजीकृत नर्सों की सही संख्या, सही जगह व सही समय पर जरूरत है।

डॉ. रेड्डी ने भारत देश सऊदी अरब और स्वीडन जैसे देशों में नर्सेज सेवाओं विश्लेषण प्रस्तुत किया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेयी और गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

'भारत में नर्सिंग शिक्षा' विषय पर समूह परिचर्चा में चेयरपर्सन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य डॉ. डीएस अजीथा ने भारत में नर्सिंग की बेहतर स्थिति को विस्तार से समझाया। तकनीकी सत्र के अंतिम चरण में विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यानो के तथ्यों पर गहन विवेचन किया गया।

सुश्री रोजी, आराधना यादव, अर्चना यादव, सुश्री अमृता, मिनी सिंह, खुशबू मोदनवाल, निधि सिंह, सोनी चौहान, विनिता विश्वकर्मा, प्रिया वर्मा ने शोध पत्रों का वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम की समन्वयक गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की सहायक आचार्य श्रीमती ममता, छात्रा श्रीमती आस्था यादव ने किया।

तकनीकी सत्र में सुश्री आराधना ने सत्र में प्रस्तुत शोध पत्रों के तथ्यों तथा विश्लेषकों और विशेषज्ञों के तथ्यों का संकलन किया। तकनीकी सहयोग प्रभु. एम. और शशांक श्रीवास्तव ने किया। पोस्टर प्रस्तुतिकरण प्रदर्शनी में नर्सिंग विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए माडल और पोस्टर का अतिथियों ने अवलोकन और विश्लेषण किया।

तृतीय दिवस

तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांकः **28 मई, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक कुमार ने स्वास्थ्य सेवाओं की नई चुनौतियां एवं नर्सों की भूमिका् विषय पर कहा कि नर्सिंग सेवा समूचे स्वास्थ्य तंत्र का अपरिहार्य अंग है। इसके बिना स्वास्थ्य सुविधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद बेईमानी होगी। इसकी महत्ता के कारण ही उत्तर प्रदेश में नर्सिंग सेवाओं को निरंतर व भरपूर प्रोत्साहित किया जा रहा है। नर्सिंग शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति को देखकर यह कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में यूपी नर्सिंग शिक्षा का हब बनेगा। डॉ. आलोक कुमार ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्रों और छात्रों की सराहना की।

विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार डॉ. केवी राजू ने राष्ट्रीय संगोष्ठी के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल प्रतिभागियों को पिछले दिनों के अनुभव के आधार पर छः बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मसलन अनुसंधान विधियों पर एक कोर्स होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शोध पत्रों का उचित मूल्यांकन होना चाहिए। विभिन्न अच्छे संस्थानों को जोड़कर कांफ्रेंस होनी चाहिए। सेमिनार में क्विक लर्निंग आवश्यक है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में अनुसंधान कथनों का उपयोग का उल्लेख करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी की कंसल्टेंट डॉ नीतू देवी ने कहा कि नर्सिंग में अवसरों की पर्याप्त उपलब्धता है। इस दृष्टि से उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने शिक्षकों से अनुरोध किया कि हर नर्सिंग छात्र के सीखने की प्रवृत्ति पर उन्हें व्यक्तिगत ध्यान भी देना होगा ताकि छात्र अपने कौशल में पारंगत हो ।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के संरक्षक महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष व पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. यू. पी. सिंह ने अपने आशीर्वचन में राष्ट्रीय संगोष्ठी के कार्य को सराहा। कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमेशा से लड़कियां अग्रणी रही हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य की समस्याओं से निपटने हेतु इस विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित नर्सिंग कॉलेज आयुर्वेद कॉलेज पैरामेडिकल कॉलेज अपनी भूमिका प्रस्तुत कर रहे हैं ।

समापन समारोह में विशिष्ट व्याख्यान देते हुए कार्यक्रम अध्यक्ष एवं सत्र के रिसोर्स पर्सन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने ज्ञान और स्वास्थ्य सेवाओं की संवेदना में संतुलन विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। नर्सों के महत्व को स्पष्ट करते हुए उन्होंने प्राचीन साहित्य के दो प्रतीक उद्धरण हनुमान जी व गणेश जी के प्रसंग से नसों को सीख लेने के लिए प्रेरित किया।

इसी क्रम में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस ने आयुर्वेद में नर्सिंग विषय पर व्याख्यान दिया। कहा कि नर्स मे अनुरक्त, दक्ष, बुद्धिमत्ता जैसे गुण विशेष रूप से होने चाहिए। उन्होंने पंचकर्म आदि विधियों में नर्सों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अतिथियों को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डी एस अजीथा ने स्मृति चिन्ह तथा पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य डॉ. डीएस अजीथा ने किया।

रविवार को छठवें तकनीकी सत्र की को. चेयरपर्सन डॉ. सारिका सक्सेन उप प्राचार्य कॉलेज आफ नर्सिंग जीआईएमएस ग्रेटर नोएडा ने अपने उद्बोधन में कहा कि नर्सों में रोगी के प्रति केयर और प्रिवेंशन का भाव होना चाहिए। उन्होंने बच्चों की देखभाल में नर्सों की भूमिका को बारीकी से समझाया।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

दिनांकः **31 मई, 2023** को आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के अन्तर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस का आयोजन किया गया जिसमे तम्बाकू सेवन के परिणाम के ऊपर पोस्टर प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता करायी गयी। जिसमें गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के कुल 60 छात्रो ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अमृता एवं श्री राज किशोर तिवारी की देख रेख में संपन्न कराया गया

जून माह के कार्यक्रम

प्रवेश परीक्षा

11 जून, 2023	बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग, एएनएम और जीएनएम पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा
13 जून, 2023	पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा
18 जून, 2023	सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान और कृषि विज्ञान के लिए प्रवेश परीक्षा
20 जून, 2023	प्रवेश परीक्षा परिणाम की घोषणा
22 से 30 जून, 2023	भौतिक परामर्श, दस्तावेज सत्यापन और शुल्क जमा करना

विभागीय आयोजन

कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय

05 जून, 2023	विश्व पर्यावरण दिवस पर अतिथि व्याख्यान, प्रो. गोविन्द पाण्डेय, पर्यावरणविद् द्वारा
27 से 30 जून, 2023	कृषि प्रथम वर्ष द्वितीय छमाही की आंतरिक प्रयोगात्मक परीक्षा

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

05 से 06 जून, 2023	शैक्षिणिक भ्रमण : CDRI (Central Drug Research Institute), NBRI (National Botanical Research Institute), CIMAP, Biotech Park at Lucknow.
20 जून, 2023	आईपीआर विषय पर अतिथि व्याख्यान प्रो. दिनेश यादव द्वारा

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

28 मई से 11 जून, 2023	ग्रीष्मकालीन अवकाश
01 जून, 2023	वार्षिक कार्ययोजना पर शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यशाला
12 जून, 2023	संहिता सिद्धान्त विभागीय बैठक
13 जून, 2023	क्रिया शारीर विभागीय बैठक
21 जून, 2023	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना

05 जून, 2023	विश्व पर्यावरण दिवस
14 जून, 2023	विश्व रक्तदान दिवस
21 जून, 2023	विश्व योग दिवस

विश्वविद्यालय में बैठक एवं कार्यशाला

01 जून, 2023	बैठक (कुलसचिव एवं आरोग्य पथ संपादन मण्डल)
	बैठक (प्रशासनिक भवन में कुलसचिव एवं अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)
02 जून, 2023	बैठक (प्रशासनिक भवन में कुलसचिव एवं आरोग्य पथ संपादक, प्रभा शर्मा)
	बैठक (प्रशासनिक भवन में कुलसचिव एवं विश्वविद्यालय प्रवेश समिति)
	माँ पाटेश्वरी महिला छात्रावास में छात्रावास समिति की बैठक
05 जून, 2023	विशेष आयोजन (विश्व पर्यावरण दिवस एवं श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज काजन्म दिवस समारोह,
	महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय के संयुक्त तत्वाधान में)
15 से 20 जून, 2023	शैक्षिक कार्यशाला (महाराणा प्रताप परिषद)
16 एवं 20 जून, 2023	प्रस्तुतिकरण एवं परिचर्चा (डॉ. प्रदीप कुमार राव)
20 जून, 2023	परिचर्चा एवं विशेषज्ञ अभिमत (डॉ. डी.एस. अजीथा, प्राचार्या, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग)
	परिचर्चा एवं विशेषज्ञ अभिमत (डॉ. मंजूनाथ एन.एस., प्राचार्य, गुरू गोरक्षनाथ आर्युविज्ञान संस्थान)

चुनौतियां स्वीकार कर रहीं भारतीय नर्स

व्याख्यान

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। स्वास्थ्य सेवाओं में नित नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। स्वास्थ सेवाओं में नर्सों की अति महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत की नर्सों ने नई चुनौतियों को स्वीकार कर नई रोशनी दिखाई है। यह कहना है इंडियन नर्सिंग काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. टी दिलीप कुमार का।

वह शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के तत्वावधान में स्वास्थ्य सेवाओं की नई चुनौतियां एवं नर्सों की भूमिका पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। समारोह के विशिष्ट अतिथि प्रमुख सचिव चिकित्सा-शिक्षा आलोक कुमार, सीएम के सलाहकार और भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह रहे। इस अवसर पर डॉ. दिलीप कुमार ने कहा कि नर्सों की आवश्यकता के अनुरूप उनके पद, नेतृत्व, कौशल, ज्ञानार्जन आदि के क्षेत्र में निरंतर विस्तार व नवाचार हो रहा है। उन्होंने टास्क शिफ्टिंग प्रोग्राम की जानकारी साझा कर नर्सों को उससे जुड़ने का आह्वान किया। प्रमुख सचिव ने कहा कि विगत छह वर्षों में उत्तर प्रदेश के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व बदलाव आया है। 2017 तक प्रदेश में जितने मेडिकल कॉलेज थे, आज उनकी संख्या दोगुनी हो गई है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज शुरू किया जा रहा है। हर मेडिकल कॉलेज से संबद्ध नर्सिंग कॉलेज की भी स्थापना हो रही है। प्रमुख सचिव में कहा कि प्रदेश में 12 उत्कृष्ट संस्थानों में से एक संस्थान गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग भी है।

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का दीप जलाकर उद्घाटन करते डॉ. दिलीप कुमार।

शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया

संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र में एम्स की कार्यकारी निदेशक डा. सुरेखा किशोर, मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार डा. केबी राजू ने शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया। द्वितीय तकनीकी सत्र में एम्स के नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. रेणुका तथा बीआरडी के नर्सिंग कालेज की डॉ. अलका सक्सेना तथा गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग की सहायक आचार्य पीआरलीगो सिसी ने विषय विशेषज्ञ के रूप में शोधार्थियों के शोध पत्रों का विश्लेषण और समीक्षा की।

हेल्थ केयर का होगा आने वाला दशक: डॉ. जीएन सिंह

विशिष्ट अतिथि डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रशिक्षित डॉक्टर के समान ही प्रशिक्षित नर्सें अहम भूमिका निभा रही हैं। आने वाला दशक हेल्थ केयर तथा शिक्षा का होगा। बीआरडीके सह आचार्य डॉ. राज किशोर सिंह ने कहा कि भारत में नर्सों का कार्य चुनौती पूर्ण है। महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव व आयुष विवि के कुलपति प्रो एके सिंह ने व्याख्यान दिया। गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डा. डीएस अजीथा ने सभी अतिथियों और शोधार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

नई रोशनी दिखा रहीं भारतीय नर्सें: डॉ. दिलीप

संदेश वाहक न्यूज

गोरखपुर। इंडियन नर्सिंग काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. टी. दिलीप कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में नित नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। वर्तमान परिवेश में करोना जैसी महामारी का दंश समूचे विश्व ने सहा है। कोरोना संकट काल मे भारत के उत्तम स्वास्थ सेवाओं और त्वरित वैक्सिन उपलब्धता को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सराहा। स्वास्थ सेवाओं में नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका है और भारत की नर्सो ने नई चुनौतियों को स्वीकार कर नई रोशनी दिखाई है।

डॉ. टी. दिलीप कुमार शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विवि आरोग्य धाम, गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी स्वास्थ्य सेवाओं की नई चुनौतियां एवं नर्सों की भूमिका के शुभारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह के विशिष्ट अतिथि उप्र शासन के प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार और भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह के साथ मां सरस्वती और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया।

उद्घाटन सत्र का संचालन संचालन आस्था यादव ने, प्रथम सत्र का संचालन प्रिंसी जी उप प्राचार्य गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग व द्वितीय सत्र का संचालन श्रीमती पी. आर. लीगो सिसी असिस्टेंट प्रोफेसर गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग ने किया।

नर्सिंग में दक्ष के साथ संवेदनशील होना भी जरूरी

गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग में राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन बोले डा. इयान

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : आरकेटी हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड तमिलनाडु के निदेशक डा. इयान क्लिमेंट ने कहा कि नर्सिंग में दक्ष होने के साथ संवेदनशील होना भी बहुत जरूरी है। मानवीय मूल्यों को अंगीकार किए बिना नर्सिंग सेवा में उत्कृष्टता सिर्फ कल्पना होगी।

एक नर्स सेवा क्षेत्र में तभी सफल हो सकती है जब उसमें अपने कार्य में दक्षता के साथ संवेदनशीलता और रोगी के मनोभाव को पढ़कर तदनुरूप सद्व्यवहार करने का कौशल हो। डा. क्लिमेंट शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग में 'स्वास्थ्य सेवाओं की नई चुनौतियां एवं नर्सों की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन विशिष्ट व्याख्यान दे रहे थे। गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग की प्राचार्य डा. डीएस अजीथा ने डा. क्लिमेंट को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। संचालन कार्यक्रम समन्वयक एमएससी अंतिम वर्ष की छात्रा आस्था यादव ने किया।

गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन छात्रों के माडल का अवलोकन करते डा. इयान क्लीमेंट ● सौ. कालेज प्रशासन

नर्सिंग का एरा होगा वर्तमान वर्ष : डा. राधा के.

शनिवार को तकनीकी सत्र में नर्सिंग कालेज सीजी पीजीआइएमएस लखनऊ की प्राचार्य डा. राधा के. ने नर्सिंग की उत्पत्ति, विकास और वर्तमान स्थिति विषय पर विचार रखा। को चेयरपर्सन ने भी विचार रखे। आराधना, रोजी ने स्वास्थ्य एवं भविष्य की चुनौतियों विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

शोध पत्रों का किया विश्लेषण

चतुर्थ व पांचवें सत्र में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निदेशक ब्रिगेडियर डा. डीएस ठाकुर ने आनलाइन माध्यम से तथा आनलाइन मोड में सह अध्यक्ष बिषा विश्वविद्यालय, डा. सुधा ए रेड्डी, डा. कामेश्वर सिंह ने शोधार्थियों के शोध पत्रों का विश्लेषण कर मार्गदर्शन किया।

Indian nurses showing new light by accepting challenges: Dr. Dilip

Three day national seminar inaugurated at Guru Shri Gorakshanath College of Nursing

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: Under the aegis of Guru Shri Gorakshanath College of Nursing, a three-day national seminar on 'New Challenges of Health Services and Role of Nurses' was inaugurated on Friday. In the seminar, the speakers kept their views on the subject praising the role of nurses in the field of medicine. The symposium was inaugurated by the chief guest, Dr. T. Dilip Kumar, President of the Indian Nursing Council, along with the special guest, Principal Secretary, Medical Education, Government of Uttar Pradesh, Alok Kumar, Advisor to the Chief Minister of Uttar Pradesh and former Drug Controller General, Government of India, Dr. GN Singh by garlanding the picture of Goddess Saraswati and Bharat Mata and lighting lamp.

Addressing the inauguration ceremony, Chief Guest Dr. T. Dilip Kumar said that new challenges are emerging in the health services. In the present environment, the whole world ... tant role in health services and the nurses of India have shown new light by accepting new challenges. Special guest Alok Kumar informed about the state government covering every district with a medical and nursing college. Special guest Dr. GN Singh said that this national seminar will work as a lifeline in the medical service in the coming times. At the launch of the national seminar, the keynote speaker, Dr. Rajkishore Singh, Associate Professor, BRD Medical College, said that the work of in the field of health services is a pious work. Nurses did a great job during the corona pandemic, for which the whole world will be indebted to their services.

On this occasion, Vice Chancellor of Mahayogi Gorakhnath University, Major General Dr. Atul Vajpayee said that the first National Seminar of Guru Gorakshanath College of Nursing will prove to be a perfect platform for excellent services in the field of health. In the first technical ... of Medical Sciences, Gorakhpur, Dr. Surekha Kishore, Co-Chairperson, Economic Advisor to the Chief Minister of Uttar Pradesh, Dr. KB Raju guided the research scholars. In the second technical session, Dr. Renuka, Principal, College of Nursing, Institute of Medical Sciences, Gorakhpur and Co-Chairperson, Dr. Alka Saxena, Government College of Nursing, BRD Medical College, Gorakhpur and Coordinator Mrs. P.R. Took. Go. Cincy Assistant Professor, ...

यूपी में मिल रहा नर्सिंग सेवा को भरपूर प्रोत्साहन - डॉ. आलोक कुमार

गोरखपुर, २८ मई। उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक कुमार ने कहा कि नर्सिंग सेवा समूचे स्वास्थ्य तंत्र का अपरिहार्य अंग है। इसके बिना स्वास्थ्य सुविधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद बेमानी होगी। इसकी महत्ता के कारण ही उत्तर प्रदेश में नर्सिंग सेवाओं को निरंतर व भरपूर प्रोत्साहित किया जा रहा है। नर्सिंग शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति को देखकर यह कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में यूपी नर्सिंग शिक्षा का हब बनेगा।

डॉ. आलोक कुमार रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में स्वास्थ्य सेवाओं की नई चुनौतियां एवं नर्सों की भूमिका विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार नर्सिंग क्षेत्र को लेकर बेहद संवेदनशील है। प्रयास है कि आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षित और दक्ष नर्सों की संख्या में कोई कमी न रहे। इस लक्ष्य को पूरा करने में गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डॉ. आलोक कुमार ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्रों और छात्रों की सराहना की। साथ शिक्षकों से कहा कि नर्सिंग छात्रों को पढ़ाने का तरीका ऐसा हो कि आपको वह याद करें। शोध के लिए उन्हें

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

प्रेरित करें तथा नर्सिंग म्यूजियम में पुराने शोध पत्र भी रखें। उन्होंने शिक्षकों और छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद जी का वाक्य सदैव याद रखना चाहिए, उठो जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक रुको मत। इस अवसर पर उन्होंने मिशन निरामया के अंतर्गत प्लेसमेंट, स्किल डेवलपमेंट तथा रेटिंग कॉलेज के संबंध में भी चर्चा की। विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार डॉ. केबी राजू ने राष्ट्रीय संगोष्ठी के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल प्रतिभागियों को पिछले दिनों के अनुभव के आधार पर छह बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मसलन, अनुसंधान विधियों पर एक कोर्स होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध पत्रों का उचित मूल्यांकन होना चाहिए। विभिन्न अच्छे संस्थानों को जोड़कर कांफ्रेंस होनी चाहिए। सेमिनार में क्विक लर्निंग आवश्यक है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में अनुसंधान कथनों का उपयोग का उल्लेख करना चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा रोबोट को कैसे हैंडल करें, यह नर्सों को सिखाया जाए। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी की कंसल्टेंट डॉ. नीतू देवी ने कहा कि नर्सिंग में अवसरों की पर्याप्त उपलब्धता है। इस दृष्टि से उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने शिक्षकों से अनुरोध किया कि हर नर्सिंग छात्र के सीखने की प्रवृत्ति पर उन्हें व्यक्तिगत ध्यान भी देना होगा ताकि छात्र अपने कौशल में पारंगत हो।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के संरक्षक, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो यूपी सिंह ने अपने आशीर्वचन में राष्ट्रीय संगोष्ठी के कार्य को सराहा। समापन समारोह में विशिष्ट व्याख्यान देते हुए कार्यक्रम अध्यक्ष एवं सत्र के रिसोर्स पर्सन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने ज्ञान और स्वास्थ्य सेवाओं की संवेदना में संतुलन विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

रविवार को छठवें तकनीकी सत्र की को-चेयरपर्सन डॉ. सारिका सक्सेना, उप प्राचार्य कॉलेज आफ नर्सिंग जीआईएमएस ग्रेटर नोएडा, ने अपने उद्बोधन में कहा कि नर्सों में रोगी के प्रति केयर और प्रिवेंशन का भाव होना चाहिए। उन्होंने बच्चों की देखभाल में नर्सों की भूमिका को बारीकी से समझाया। सत्र में आरोही, अश्विनी पांडेय, कविता, मीरा कुमारी सहित विभिन्न शोधार्थियों ने शोध पत्र का वाचन किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर प्रेजेंटेशन में प्रथम श्रेया पांडेय, द्वितीय अंजली सिंह के साथ निधि कुमारी, शालिनी तथा कौशल कुमार को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय

यूपी में मिल रहा नर्सिंग सेवा को भरपूर प्रोत्साहन : डॉ. आलोक कुमार

गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

प्रदेश में नर्सिंग सेवा को मिल रहा भरपूर प्रोत्साहन

गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग में हुई संगोष्ठी में बोले प्रमुख सचिव आलोक कुमार

- नर्सों को दें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व रोबोट को हैंडल करने की भी जानकारी
- आलोक कुमार ने कहा, आने वाले दिनों में नर्सिंग शिक्षा का हब बनेगा उत्तर प्रदेश

यह और अन्य खबरें देखें
https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_gorakhpur-city-news-hindi.html

स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौतियों व नर्सों की भूमिका पर मंथन आज से

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (25 May): महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के गुरु श्रीगोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग में स्वास्थ्य सेवाओं की नई चुनौतियां एवं नर्सों की भूमिका विषयक तीन दिवसीय नेशनल संगोष्ठी शुक्रवार से शुरू होगी. मुख्य अतिथि इंडियन नर्सिंग काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. टी. दिलीप कुमार, विशिष्ट अतिथि के सीएम के मुख्य सलाहकार डॉ. जीएन सिंह एवं गुरु श्रीगोरक्षनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह होंगे. यह जानकारी प्राचार्य डॉ. डीएस अजीथा ने दी.

कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव व महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित संगोष्ठी में चिकित्सक एवं शिक्षाविद विचार-विमर्श कर नर्सों की नई भूमिका को रेखांकित करेंगे. संगोष्ठी सुबह 9:30 बजे शुरू होगी. प्रथम तकनीकी सत्र में एम्स की कार्यकारी निदेशक डॉ. सुरेखा किशोर व सीएम के आर्थिक सलाहकार डॉ. केवी राजू संबोधित करेंगे. द्वितीय तकनीकी सत्र को डॉ. जीएन सिंह व बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नर्सिंग कालेज की प्राचार्य डॉ.

Suvarnaprashan drops were given to children in Arogyadham

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: Suvarnaprashan ceremony was organized on Thursday at Arogyadham Gorakhpur, Guru Gorakhnath Institute of Medical Sciences (Ayurveda College) affiliated to Mahayogi Gorakhnath University. In this function, Suvarnaprashan drops were given to the children in the age group of 0 to 15 years. On this occasion, pediatrician Dr. Neeraj Kumar Gupta of Ayurveda College Hospital told that Suvarnaprashan drops increase the physical and intellectual capacity and speaking process of children. Along with this, immunity increases to prevent seasonal diseases. He told that according to Indian culture and astrology, it is made in Pushya Nakshatra by a qualified and experienced Ayurvedacharya and given in this Nakshatra. Hospital Manager Girijesh Mishra, Satyam Kushwaha, Jagruti Gupta and Madhuri cooperated in this event.

आयुर्वेद कालेज में बच्चों को सुवर्णप्राशन ड्राप पिलाते चिकित्सक ● सौ.स्वयं

बच्चों को पिलाया गया सुवर्णप्राशन ड्राप

जासं, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से संबद्ध गुरु गोरखनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान (आयुर्वेद कालेज) में सुवर्णप्राशन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें 15 वर्ष तक के बच्चों को सुवर्णप्राशन ड्राप पिलाया गया।

बाल रोग विशेषज्ञ डा. नीरज कुमार गुप्ता ने बताया कि सुवर्णप्राशन ड्राप बच्चों के लिए आयुर्वेद का एक अमूल्य वरदान है। इससे बच्चों की शारीरिक-बौद्धिक क्षमता व बोलने की प्रक्रिया में वृद्धि होती है। साथ ही मौसमी रोगों जैसे-खांसी, दमा, एलर्जी और चर्म रोग आदि से बचाव के लिए प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक बच्चों को यह ड्राप पिलाया जाए। प्रबंधक गिरिजेश मिश्रा, सत्यम कुशवाहा, जागृति गुप्ता व माधुरी का योगदान रहा।

Students of Mahayogi Gorakhnath University performed well in youth festival

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: The students of Mahayogi Gorakhnath University won various competitions organized by the Ministry of Sports, Government of India in the "Youth Festival" organized at Baba Raghav Das Medical College, Gorakhpur on Thursday.

BAMS 1st year students displayed stalls based on

Indian culture along with dance, crafts, painting, etc. and made everyone aware about the way to lead a healthy life by displaying Indian ancient Ayurveda medical system. Nitesh Pratap Singh (BAMS-2021 batch) and Arpit Kumar Saroj (BSc Agriculture) got the first place in mobile photography under the competition, Janhavi Rai (BAMS-2021 batch) got the second place in the painting competition. Participants of the university participated in the youth festival under the direction of Dr. Vinamra Sharma, Dr. Jasobant Dansana, Sadhvinandan Pandey, Dr. Hari Krishna, Srishti Yaduvanshi and Mrs. Sangeetika.

कार्यक्रमों के बीच मनाया गया अंतरराष्ट्रीय मिडवाइफरी दिवस

सत्य संगम संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के तत्वावधान में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मिडवाइफरी दिवस के उपलक्ष्य में नर्सिंग कॉलेज और जिला अस्पताल में अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

नर्सिंग कॉलेज में प्रधानाचार्या डॉ डीएस अजीथा व उप प्रधानाचार्या मिसेज प्रिंसी जॉर्ज विद्यार्थियों को मिडवाइफरी की महत्ता बताने के साथ उन्हें कई व्यावहारिक जानकारियां दीं। प्रधानाचार्या डॉ अजीथा ने नेचुरल बर्थिंग, मिडवाइफरी स्किल्स तथा डिलीवरी के बारे मे विस्तार से अवगत कराया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मिडवाइफरी सेवा चिकित्सा तंत्र का अभिन्न अंग है। इस सेवा की सराहना के लिए प्रति वर्ष इंटरनेशनल डे फॉर मिडवाइफ मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में पुराने विद्यार्थियों अनु यादव, बबली यादव, अनुराधा मौर्य और रेनू सिंह ने अपनी मिडवाइफरी सेवा का अनुभव साझा किया।

उधर जिला अस्पताल में अयोजित कार्यक्रम मे एएनएम के 54 विद्यार्थियों द्वारा रोल प्ले और मास हेल्थ एजुकेशन से नेचुरल बर्थिंग और एंटीनेटल विजिट के बारे मे अवगत कराया गया। कार्यक्रम प्रभारी सुश्री श्वेता अल्बर्ट, सलोनी गुप्ता, मिसेज संगीता, मिस सोनी के नेतृत्व के संपन्न हुआ।

नर्सों के बिना चिकित्सा तंत्र अपूर्ण-डॉ. वाजपेयी

कार्यालय प्रतिनिधि

विजेता प्रतिभागी पुरस्कृत

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों ने मन से सुनीं प्रधानमंत्री मोदी की बातें

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन सुनते विद्यार्थी ●

जासं, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में गुरुवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नई दिल्ली से प्रसारित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को लाइव देखा और सुना।

पीएम मोदी द्वारा साझा किए गए परमाणु परीक्षण, वैश्वीकरण की नई ऊंचाई, रेडियोलाजी, न्यूक्लियर टेक्नोलाजी में नवीनकरण को प्रोत्साहन जैसे बिंदुओं को सुनकर विद्यार्थी संकल्पित हुए कि वह भी शोध और नवाचार के जरिये भारत की प्रगति में अपनी भूमिका सुदृढ़ करेंगे। विद्यार्थियों ने अटल टिंकरिंग लैब, अटल इनोवेशन सेंटर एवं अटल इंक्यूबेशन सेंटर को लेकर प्रधानमंत्री द्वारा की गई बातों को सुना। डा. अनुपम ओझा, डा. पवन कनौजिया, डा. अमित कुमार दुबे, डा. अखिलेश कुमार दुबे, धनंजय पांडेय, प्रभा शर्मा मौजूद रहीं।

विश्व थॉयराइड दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

(गो०मे०स०)

गोरखपुर। आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के तहत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना की

महायोगी उदयनाथ इकाई द्वारा 'विश्व थॉयराइड दिवस' पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'मानव स्वास्थ्य और थॉयराइड का महत्व' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के कुल 60 छात्रों ने प्रतिभाग किया। पोस्टर प्रतियोगिता में अंजू विश्वकर्मा (प्रयोगशाला तकनीशियन) ने प्रथम स्थान, शिवांगी पाठक (ऑप्थैल्मिक टेक्नीशियन) द्वितीय स्थान एवं वंदना सिंह (डायलिसिस तकनीशियन) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी राज किशोर तिवारी, सत्यभामा, खुशबू की देखरेख में संपन्न हुआ।

निर्माणाधीन परिसर

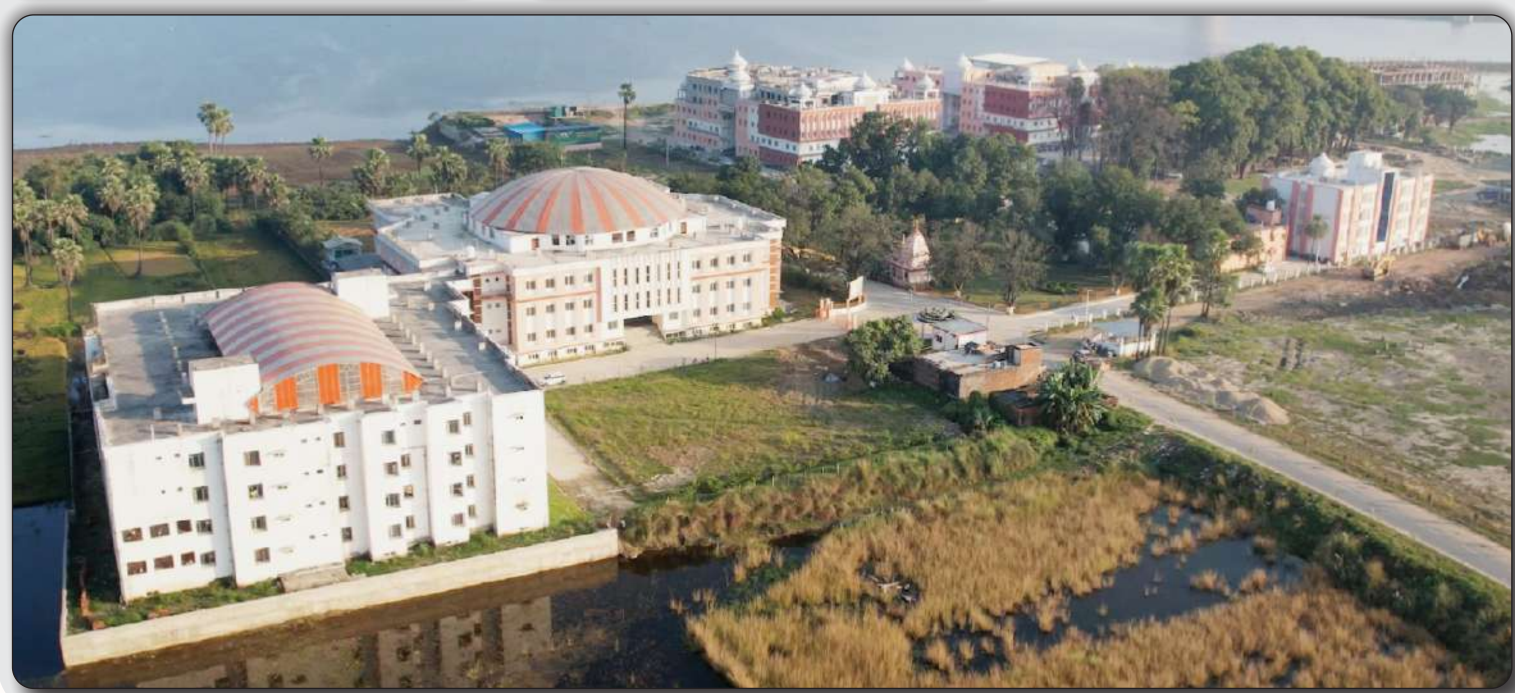

विश्वविद्यालय में निर्माणाधीन परिसर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

mguniversitygkp@mgug.ac.in
https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur